हमले से पहले चेतावनी देती है शार्क

आम तौर पर शार्क को काफी खतरनाक प्राणी माना जाता है। और अंग्रेजी फिल्म 'जॉस' ने इसका खौफनाक चित्रण भी किया था। मगर यदि अंतर्राष्ट्रीय शार्क आक्रमण फाइल देखें तो पता चलता है कि संभवतः शार्क उतनी खतरनाक भी नहीं होती। वर्ष2006 में मात्र 78 आक्रमणों का रिकॉर्ड है और इनमें16 हमले उकसावे के कारण हुए बताए जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय शार्क आक्रमण फाइल फ्लोरिडा म्यूज़ियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में नियमित रूप से तैयार की जाती है।

बहरहाल, शार्क के खतरे को देखते हुए कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के शार्क विशेषज्ञ ऐडन मार्टिन ने एक संकलन तैयार किया है जिसमें यह बताया गया है शार्क हमला करने से पहले किस ढंग का व्यवहार करती है - ये एक तरह से चेतावनी के संकेत हैं। मार्टिन का यह संकलन मरणोपरांत *मरीन एण्ड फ्रेशवॉटर बिहेवियर एण्ड फिज़ियॉलॉजी* नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। मार्टिन ने 29 ऐसे संकेत बताए हैं। इसके लिए उन्होंने 23 शार्क प्रजातियों का गहन अध्ययन किया था।

खतरे का एक संकेत समस्त 23 प्रजातियों में देखा गया - जब शार्क अपने अगले (पेक्टोरल) पंख को नीचे झुकाए तो वहां से भाग निकलने में ही भलाई है। मगर मार्टिन का कहना है कि सबसे खतरनाक संकेत होता है जब शार्क अपनी कूबड़ ऊपर उठाए। यह संकेत अलग-अलग प्रजातियों में अलग-अलग अवधियों के लिए होता है। जैसे सफेद शार्क में इसकी अवधि 3-4 सेकण्ड होती है जबकि ग्रे रीफ शार्क 30-40 सेकण्ड तक कूबड़ उठाकर दिखाती है। वैसे मार्टिन ने पाया कि अधिकांश ऐसे संकेत वास्तव में 'तकलीफ' के परिचायक होते हैं - कि शार्क घिरा हुआ महसूस कर रही है। इनका कहना है कि यदि शार्क कूबड़ उठाए, दांत दिखाए और पंख नीचे कर ले, तो यह स्पष्ट खतरे का संकेत है।

कहा जा रहा है कि ऐसी जानकारी आजकल बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। कारण यह है कि ईको-पर्यटन उद्योग आजकल समुद्रों में गोताखोरी वगैरह को बहुत बढ़ावा दे रहा है। उद्योग यह तो कदापि नहीं चाहेगा कि लोग शार्क के हमले से घायल हों क्योंकि ऐसा कई बार हुआ तो उद्योग चौपट होने की स्थिति आ सकती है। ***(स्रोत फीचर्स)***